

की सहमती के बिना विवाह
गृह का बेचाम नहीं किया
कर सकता।

अतः प्रार्थी relief के लिए
क्वॉरर का दावा लेकर ही
remedy प्राप्त करे।

इस न्यायलय को इस case में
T.I. देने की आवश्यकता नहीं
लगती।

अतः प्रार्थना पत्र खारिज किया
जाता है।

फैसल नुमाइर दोकर दाखिल
दफतर है।

Che
21/26.

उपसंग्रह अधिकारी
समगंजमण्डी